अल्पसंख्यक विकास कार्यक्रम (Miniroty Welfare Activities)

महाराणा प्रताप संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2012–13 के दौरान अल्पसंख्यक महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए जयपुर जिले में कार्य किया। जिसके तहत अल्पसंख्यकों की कार्यशाला, नेतृत्व विकास प्रशिक्षण तथा महिलाओं के कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

अल्पसंख्यकों की कार्यशाला का आयोजन 48, धन्नादास की बगीची, आदर्श नगर, जयपुर में किया गया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए संस्थान अध्यक्ष अमृतसिंह भाटी ने कहा कि अल्पसंख्यकों को कल्याण हेतु शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा ताकि आने वाली पीढ़ी समाज में अपनी पहचान कायम कर सके और जमाने के साथ चल सके। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आवश्यक हैं। इस अवसर पर राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ की पूर्व महासचिव एवं संस्थान की संयुक्त सचिव रूबी खान ने कहा कि महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को हस्तकला जैसे बुंदी बंधेज, कशीदाकारी, सिलाई, ब्यूटी पार्लर आदि के प्रशिक्षण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। कार्यशाला में क्षेत्र के बावन महिला–पुरूषों ने भाग लिया।

अल्पसंख्यकों हेतु नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महिला पार्षदों के अतिरिक्त आरसीविज और चयनित परिवारों की महिलाओं ने भाग लिया इस कार्यक्रम में महिलाओं के नेतृत्व क्षमता के विकास की गतिविधियों से अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण में 25 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

अल्पसंख्यक महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए 20 महिलाओं को बूंदी बंधेज एवं 20

महिलाओं को आरी–तारी जरदोजी कार्य का प्रशिक्षण आदर्श नगर की धन्नादास की बगीची में प्रदान किया गया। ये महिलाये इन दोनो कार्यों में नवीन प्रयोगों के साथ पारंगत हुई है तथा वर्तमान में संस्थान के प्रयासों से नियमित रूप से कार्य कर रही है और नियमित आय प्राप्त कर रही है जिससे इन महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण हुआ है।

अल्पसंख्यक कल्याण हेतु आयोजित सेमीनार को सम्बोधित करते हुए संस्थान अध्यक्ष अमृतसिंह भाटी

सेमीनार में उपस्थित जन समूह